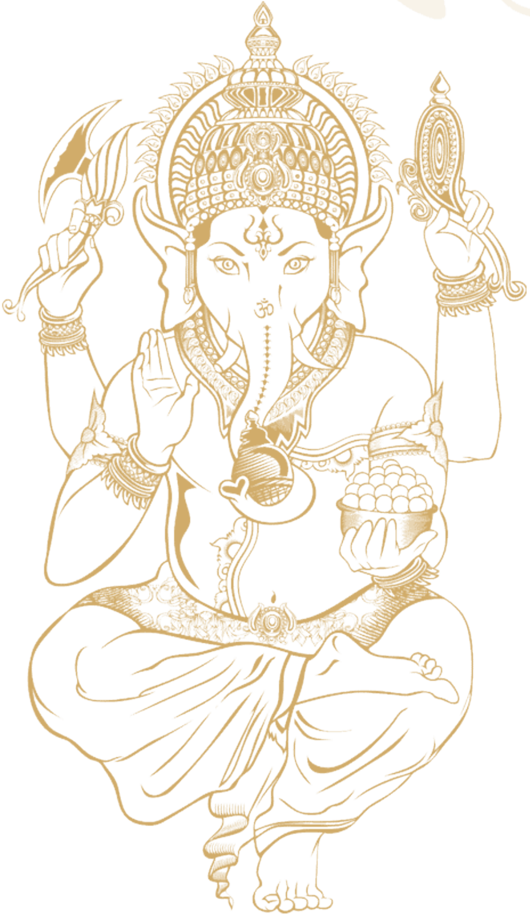

H Megha D

17 Jul 1988

10:55 PM

Shivpuri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121709004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/07/1988**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:55:00 घंटे**
इष्ट	43:09:43 घटी
स्थान	**Shivpuri**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:26:00 उत्तर
रेखांश	77:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:35:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:07 घंटे
साम्पातिक काल	18:18:36 घंटे
सूर्योदय	05:39:06 घंटे
सूर्यास्त	19:11:39 घंटे
दिनमान	13:32:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:37:51 कर्क
लग्न के अंश	12:40:48 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	12:40:48	493:56:34	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	---
सूर्य			कर्क	01:37:51	00:57:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	13:44:35	11:47:11	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मीन	08:02:51	00:26:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
बुध			मिथु	14:34:51	01:41:38	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	स्वराशि
गुरु			वृष	05:33:13	00:10:43	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	23:15:14	00:25:57	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
शनि	व		धनु	03:39:37	00:03:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:18:31	00:00:59	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:18:31	00:00:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	04:17:26	00:02:05	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
नेप	व		धनु	14:39:19	00:01:32	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	16:03:45	00:00:05	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	10:34:10	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:54

लग्न-चलित

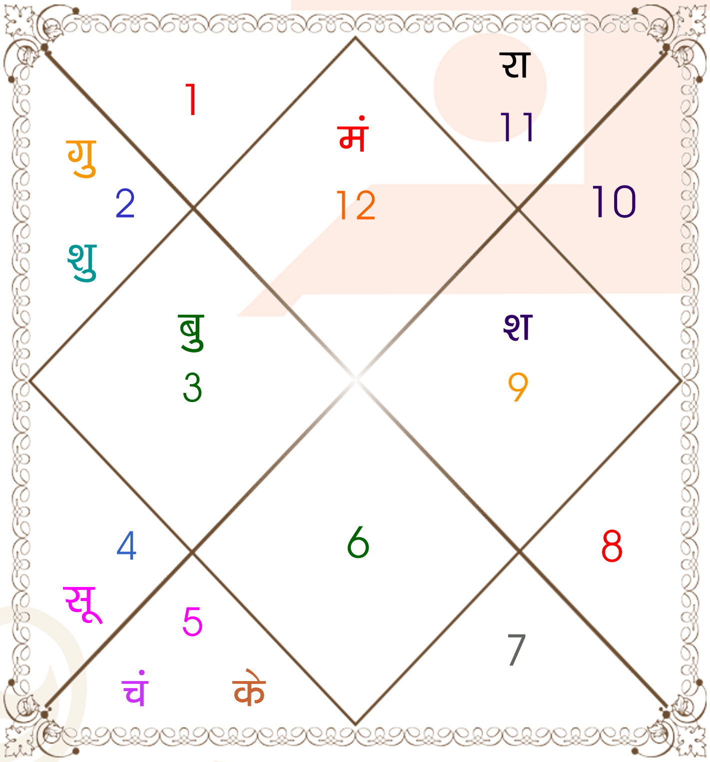

चन्द्र कुंडली

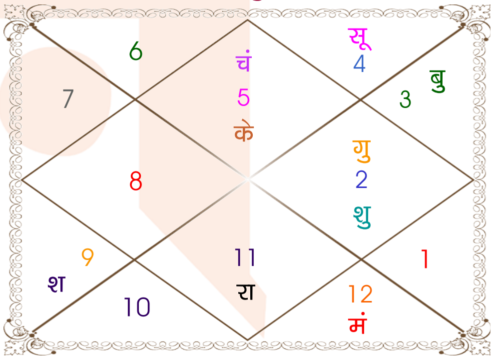

नवमांश कुंडली

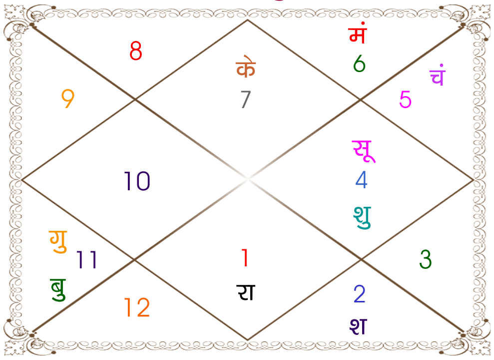

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 4 मास 18 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
17/07/1988	**06/12/2007**	**05/12/2013**	**06/12/2023**	**06/12/2030**
06/12/2007	**05/12/2013**	**06/12/2023**	**06/12/2030**	**05/12/2048**
शुक्र 06/04/1991	सूर्य 25/03/2008	चंद्र 06/10/2014	मंगल03/05/2024	राहु 18/08/2033
सूर्य 06/04/1992	चंद्र 23/09/2008	मंगल07/05/2015	राहु 22/05/2025	गुरु 11/01/2036
चंद्र 05/12/1993	मंगल29/01/2009	राहु 05/11/2016	गुरु 27/04/2026	शनि 17/11/2038
मंगल05/02/1995	राहु 24/12/2009	गुरु 07/03/2018	शनि 06/06/2027	बुध 06/06/2041
राहु 04/02/1998	गुरु 12/10/2010	शनि 06/10/2019	बुध 03/06/2028	केतु 24/06/2042
गुरु 05/10/2000	शनि 24/09/2011	बुध 06/03/2021	केतु 30/10/2028	शुक्र 24/06/2045
शनि 06/12/2003	बुध 30/07/2012	केतु 06/10/2021	शुक्र 30/12/2029	सूर्य 19/05/2046
बुध 06/10/2006	केतु 05/12/2012	शुक्र 06/06/2023	सूर्य 07/05/2030	चंद्र 18/11/2047
केतु 06/12/2007	शुक्र 05/12/2013	सूर्य 06/12/2023	चंद्र 06/12/2030	मंगल05/12/2048

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
05/12/2048	**05/12/2064**	**06/12/2083**	**06/12/2100**	**07/12/2107**
05/12/2064	**06/12/2083**	**06/12/2100**	**07/12/2107**	**00/00/0000**
गुरु 23/01/2051	शनि 09/12/2067	बुध 04/05/2086	केतु 04/05/2101	शुक्र 18/07/2108
शनि 06/08/2053	बुध 18/08/2070	केतु 01/05/2087	शुक्र 04/07/2102	00/00/0000
बुध 12/11/2055	केतु 27/09/2071	शुक्र 01/03/2090	सूर्य 09/11/2102	00/00/0000
केतु 17/10/2056	शुक्र 27/11/2074	सूर्य 05/01/2091	चंद्र 10/06/2103	00/00/0000
शुक्र 18/06/2059	सूर्य 09/11/2075	चंद्र 06/06/2092	मंगल06/11/2103	00/00/0000
सूर्य 06/04/2060	चंद्र 09/06/2077	मंगल03/06/2093	राहु 24/11/2104	00/00/0000
चंद्र 06/08/2061	मंगल19/07/2078	राहु 21/12/2095	गुरु 31/10/2105	00/00/0000
मंगल13/07/2062	राहु 25/05/2081	गुरु 28/03/2098	शनि 10/12/2106	00/00/0000
राहु 05/12/2064	गुरु 06/12/2083	शनि 06/12/2100	बुध 07/12/2107	00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 4 मा 19 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।